



लंड तो खड़ा होता ही नहीं

“अन्तर्वासना के सभी पाठकों को संजय राजपूत का शत-शत नमन मेरा नाम संजय राजपूत है और मैं दिल्ली के एक कॉल-सेन्टर में नौकरी करता हूँ। मेरी उम्र २३ साल है और मेरा रंग गोरा है। मेरा लंड वही ढ” का है और मोटा भी है। कुंवारा होने के कारण मैं अपनी भूख नहीं बुझा पाता [...] ...”

Story By: (sanjay_rajpoot786)

Posted: Monday, October 3rd, 2005

Categories: [ऑफिस सेक्स](#)

Online version: [लंड तो खड़ा होता ही नहीं](#)

लंड तो खड़ा होता ही नहीं

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को संजय राजपूत का शत-शत नमन

मेरा नाम संजय राजपूत है और मैं दिल्ली के एक कॉल-सेन्टर में नौकरी करता हूँ।

मेरी उम्र २३ साल है और मेरा रंग गोरा है। मेरा लंड वही ८” का है और मोटा भी है।

कुंवारा होने के कारण मैं अपनी भूख नहीं बुझा पाता हूँ, इसलिए मैं अपना लंड हाथ से ही हिला लेता हूँ।

मेरे कॉल-सेन्टर में एक ६० साल की औरत काम करती है। वह मुझे कुछ इस तरह से देखती है कि मानों कि अगर मैं उससे कहूँगा तो वह मुझसे गाँड मरवा लेगी और मज़े भी देगी।

एक रात मैं जब ऑफिस से अपने घर के लिए निकल रहा था तो वह बोली कि मुझे लिफ्ट दे दोगे क्या? मैंने कहा हाँ बिल्कुल। फिर हम दोनों गाड़ी पर बैठ कर निकल गए। और फिर उसके २ किलो के बूम्बे मेरी पीठ से टकराकर मुझे मदहोश कर रहे थे! फिर उसने अपना हाथ धीरे से मेरे लण्ड पर रख दिया और मैं गाढ़ा हो गया। मैंने झट से उसका हाथ हटाया और गाड़ी चलाने लगा। वह बोली, अरे क्या हुआ? मैंने कहा, जी कुछ नहीं। फिर उसने थोड़ी देर बाद फिर से मेरा लौड़ा पकड़ लिया और बोली, चलो आज तुम्हारे घर पर चलते हैं और इस तरह मैं उसे अपने घर ले आया।

घर आकर उसने मेरे लिए चाय बनाई और बोली, “संजय, इतने बड़े घर में तुम अकेले रहते हो, तुम्हें डर नहीं लगता?”

“इसमें डरने की क्या बात है, मैं तो शुरु से ही अकेला रहता आया हूँ।”

“दिन तो कॉल सेन्टर में निकल जाता है, पर रात में क्या होता होगा ?”

“कुछ नहीं, सब कट जाती है।”

वह मेरे पास आकर बैठ गई और कहा, “आज मैं यहीं रुक जाती हूँ।”

“क्यों नहीं” – मैंने कहा।

फिर उसकी मस्ती भरी आँखें देखकर भी तो मैं उसे मना नहीं कर सका था। फिर हम बैठ गए और उसने मेरा लंड पकड़ लिया और बोली कितना ढीला है। मैं बोला, क्या कर ही हो ? उसने कहा, “करने दे मेरी जान। आज तेरी-मेरी दोनों की भूख मिटाने दे।”

मैं खड़ा हो गया और उसकी चूचियाँ पकड़ लीं और उसके होंठों को चूमने लगा, फिर उसने मेरा लंड चूसा और सारे कपड़े उतार दिए। मैंने भी उसके सारे कपड़े उतार दिए। उसके २ किलो के दूध मानों बाहर आने के लिए तड़प रहे थे। फिर मैंने उसके दूध को बहुत देर तक चूसा और हम 69 की मुद्रा में लेट गए। करीब एक घंटे तक चूसने के बाद...

अब भाई तुम ही बताओ मैं क्या करता, क्योंकि मुझे तो कुछ करना आता ही नहीं...

पर हाँ, मैंने मोमबत्ती से उसकी प्यास जरूर बुझा दी...

क्योंकि मेरा लंड तो खड़ा होता ही नहीं।

Other stories you may be interested in

सेल्स लेडी की ऑफिस में चुदाई

अन्तर्वासना की सभी पाठिकाओं की चूत वालियों को कॉलब्वॉय राज की नमस्ते. मैंने सन 2007 से अन्तर्वासना की सभी कहानियां पढ़ी हैं. फिर आज मैंने भी सोचा कि अपनी आप बीती एक सच्ची घटना को अन्तर्वासना पर लिखूं. मैं पहली [...]

[Full Story >>>>](#)

ऑफिस रिसेप्शनिस्ट की सीलतोड़ चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम राहुल मोदी है. मैं अन्तर्वासना वेबसाइट का एक नियमित पाठक हूं. आज मैं आप सभी को अपनी एक वास्तविक घटना बताने जा रहा हूं. आपको पसंद आई या नहीं, प्लीज़ मुझको मेल करके जरूर रिप्लाई दीजिएगा. दोस्तो, [...]

[Full Story >>>>](#)

ऑफिस गर्ल से रोमांस फिर चूत चुदाई

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम राज (बदला हुआ नाम) है, मैं इलाहाबाद से हूँ, लेकिन मैं नोयडा में रहता हूँ. चूंकि मैंने बी-टेक यहीं से किया है, मेरा इसी साल इंजीनियरिंग फाइनल हुआ है. मैं एक 23 साल का जवान लड़का [...]

[Full Story >>>>](#)

मोटे लंड की प्यासी चूत और मेरा चोदू बाँस-2

अभी तक इस कहानी के पहले भाग मोटे लंड की प्यासी चूत और मेरा चोदू बाँस-1 में आपने पढ़ा कि ससुराल जाने के बाद मुझे गांडू पति मिल गया जो 3-4 मिनट से ज्यादा मेरी चुदासी चूत के सामने टिक [...]

[Full Story >>>>](#)

मोटे लंड की प्यासी चूत और मेरा चोदू बाँस-1

मेरा नाम दीपिका है. मेरा कद 5 फीट 2 इंच है. मेरी शादी हो चुकी है. शादी होने पर मैंने तरह-तरह के सपने देखे थे मगर जैसा सोचा था वैसा कुछ नहीं हुआ. मुझे उम्मीद थी कि मेरा पति बहुत [...]

[Full Story >>>>](#)

